सामाजिक समूह का अर्थ एवं परिभाषायें (Meaning and definitions of social group)

मनुष्य का जीवन सामूहिक जीवन है। वह सदा समूह में रहता है और अपने साथियों साथ सदा नये समूह का निर्माण करता रहता है। समूह के बिना मानव का अस्तित्व ही सम्भव नहीं है। वह जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त विभिन्न प्रकार के समूहों में ही रहता है, इनमें से प्रत्येक व्यक्ति एक परिवार रूपी समूह में जन्मता है। हमारे अधिकांश कार्य किसी न किसी समूह (पड़ोस, मुहल्ला, गाँव, स्कूल, कॉलेज एवं नगर आदि) के सदस्य के रूप में सम्पन्न होते हैं। हमारी सारी समस्याएँ समूह से जुड़ी हैं।

सामान्यतः व्यक्तियों के एकत्रित रूप को समूह कह दिया जाता है। लेकिन समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से ऐसा कहना गलत है। सामाजिक समूह ऐसे व्यक्तियों का समूह है अर्थात संगठन है जो किसी की पूर्ति के लिए दूसरे से सम्बंधित हो। इस रूप में सामाजिक समूह के लिए तीन तत्वों का होना अनिवार्य है — (1) एक से अधिक व्यक्तियों का होना, (2) एक खास हित या उद्देश्य या स्वार्थ का होना, तथा (3) सामाजिक संबंध का होना।

सामाजिक समूह की परिभाषाओं को विभिन्न विद्वानों ने भिन्न-भिन्न तरह से व्यक्त किये हैं जो निम्नलिखित हैं:—

मैकाइवर एवं पेज:

"समूह से हमारा तात्पर्य व्यक्तियों के किसी भी ऐसे संग्रह से है जो एक दूसरे के साथ सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं।"

उनकी परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि (1) समूह के लिए एक से अधिक व्यक्तियों का होना जरूरी है